

16 अक्टूबर 2026, शुक्रवार | कानपुर | पतेकार: जितेन्द्र कुमार सिंह पटेल | कानपुर | पृष्ठ 1

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती अपनाकर कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाएं किसान : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

कानपुर में संयुक्त मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी, कृषि मेले में 150 स्टॉल, 18 महिला कृषक सम्मानित



कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को सम्मानित करते कृषि विभाग के अधिकारी।



उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन करते अतिथिगण।

कानपुर।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में 15 अक्टूबर 2026 को संयुक्त मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी एवं कृषि मेले का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता एम.के. शान्मुगा सुंदरम, मंडलायुक्त, कानपुर मंडल ने की। मुख अतिथि के रूप में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को गौ-आधारित प्राकृतिक खेती अपनाने पर बल देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी बल्कि कृषि उत्पादों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा, जिससे किसानों की आय दोगुनी होगी।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती, मृदा परीक्षण, फसल विविधिकरण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान लागत घटाकर लाभ बढ़ा सकते हैं। मेले में 150 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जहाँ कृषि यंत्र, जैविक खाद, बीज एवं तकनीकी प्रदर्शन किए गए।

मंत्री ने बताया कि किसानों को 10 लाख मिनी किट मुफ्त वितरित की जाएगी तथा कृषि यंत्रों पर 50-80% तक अनुदान दिया जाएगा। 18 महिला कृषकों को उत्कृष्ट कृषि कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

मेले का उद्घाटन उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के तहत हुआ, जिसमें आठ राज्यों के किसान, उद्यमी व सरकारी संस्थान शामिल हुए।

गोष्ठी में उपस्थित प्रमुख अतिथि

- नीलिमा कटियार, विधायक – कृषि विकास को गति देने पर बल दिया
- प्रमिला पाण्डेय, महापौर – महिला किसानों की सशक्तिकरण की प्रो. संजीव गुप्ता, कुलपति, सीएसए विश्वविद्यालय – पशुपालन व प्राकृतिक खेती पर प्रस्तुति
- श्याम बिहारी गुप्ता, आशुतोष मिश्रा, टी.एम. त्रिपाठी, के. विजयेन्द्र पण्डित, विमल कुमार दुबे, धर्मेन्द्र कुमार, आर.एस. वर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों का योगदान

- डॉ. वी.के. त्रिपाठी, डॉ. महाक सिंह, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. साधना वैश्य, डॉ. रामजी गुप्ता ने वैज्ञानिक सत्र में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य एवं जैविक खेती पर जानकारी दी।
- कार्यक्रम का संचालन शिव आसरे पाण्डेय ने किया।

कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की कि वे रबी सीजन में नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करें।

सत्य का असर समाचार पत्र

कानपुर

कानपुर, 16 अक्टूबर 2026, शुक्रवार

किसान मेले का शुभारंभ, आधुनिक खेती और नवाचारों पर जोर

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का उद्घाटन



पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

संपर्क सूत्र 9956 8340 16

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने मेला परिसर में लगे स्टालों का अवलोकन किया और कृषि क्षेत्र की आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन पद्धतियों तथा किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों की जानकारी ली।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाना और खेती को अधिक लाभकारी बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह किसान मेला नहीं, बल्कि किसान कुंभ है, जिसमें उत्तर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल हुए हैं। किसानों से नई तकनीकों और नवाचारों को



गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने प्राकृतिक खेती और जहरमुक्त कृषि पर जोर देते हुए कहा कि इससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों और मेले की रूपरेखा बताई। उन्होंने कृषि मंत्री एवं अतिथियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। निदेशक प्रसार डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उनके अनुसार मेले के पहले दिन साढ़े सात हजार से अधिक किसानों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव कृषि एम.के. शनमुगा सुंदरम, मंडलायुक्त के. विजयन पांडियन, निदेशक कृषि त्र्यंबक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र, कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार सहित विभिन्न मंडलों के अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी, विश्वविद्यालय के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

काला ईयर मशरूम से खत्म होगा तनाव में पेट दर्द

सीएसए विवि में कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ, रंगीन आम-लाल मिण्टी का आकर्षण, सब्जियों को कीटों से सुरक्षित रखेगी भस्म

किसान मेला

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। तनाव अधिक होने पर पेट में दर्द होता है। अब घराने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि काला ईयर मशरूम नियमित खाने से न सिर्फ सेहत बनेगी बल्कि तनाव में होने वाले पेट दर्द को शिकार खत्म होगी। इस मशरूम में 35 फोस्फो प्रोटीन होने के साथ एमिनोएसिड अधिक और फैटो एसिड न के बराबर है। साथ ही, पोटेसियम को मात्रा अधिक होने से रक्त संचार अच्छा होने से ब्लड प्रेशर को दिककत भी कम होगी। कश्मीर में होने वाले इस मशरूम को वैज्ञानिक उप के मौसम के अनुसार तैयार कर रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में लगे तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। इसी दौरान बीबीसी गोष्ठी भी हुई। प्रदेश के कृषि मंत्री सुरेंद्र प्रताप शाही ने उद्घाटन करने के साथ मेले में लगे 150 स्टॉल का निरीक्षण कर नवाचार जाना। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि प्राकृतिक खेती करके जहर मुक्त खेती करें। इससे मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरेगा और फसलों की पीठिकता बढ़ेगी। विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने मेले की रूपरेखा प्रस्तुत की। अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने दिया। मेले के पहले दिन सात हजार से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। विधायक नौलिमा कटियार, प्रमुख सचिव कृषि एमकेशनमुगा



सीएसए में प्रदर्शनी का शुभारंभ करते प्रदेश के कृषि मंत्री सुरेंद्र प्रताप शाही।

मेला नहीं कुंभ है, तकनीक का मिलेगा अमृत: शाही

कृषि मंत्री सुरेंद्र प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना व खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। किसानों के लिए किसान मेला नहीं बल्कि किसान कुंभ है जिसमें उतर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल हुए हैं। किसान यहां से अमृत के रूप में नई तकनीक व नवाचार सीख कर जाए और अपने खेतों पर अवश्य प्रयोग करें।

बैंगनी आम, लाल मिण्टी बनी चर्चा का विषय

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विधि के वैज्ञानिकों ने आम, हल्दी की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन किया। जिसमें बैंगनी आम देने वाली प्रजाति अंबिका और लाल मिण्टी सर्वाधिक चर्चा का विषय रही। निदेशक प्रसार डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि आम की दस से अधिक प्रजातियां हैं, जिनके फल अलग-अलग रंगों के होते हैं। जिसमें कैसर, बनाना मीठा अधिक प्रचलित है। वहीं, हल्दी में सामान्य पीली के अलावा श्यामा व कस्तूरी हल्दी ने भी खूब आकर्षित किया। यह ऐंटी कैसर में उपयोगी है।

सुंदरम, मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडेयन, निदेशक कृषि त्र्यंबक मणि त्रिपाठी, उप बीज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र समेत डॉ. एस.एस. एवं चित्रकूट मंडल के मंडलायुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उपनिदेशक कृषि आदि मौजूद रहे।

18 लाख के बिके बीज तो 25 हजार की सब्जी पौध: किसान मेले में उन्नत तकनीक और नवाचार से अधिक भीड़ किसानों की बीज विक्री केंद्र पर नजर आई। मेले के पहले ही दिन प्रदेश के अलावा आसपास प्रदेश के किसानों ने भी उन्नत प्रजाति के बीजों



प्रदर्शनी में नई प्रजातियों की जानकारी लेते लोग।

सब्जियों को कीटों से सुरक्षित रखेगी औषधीय भस्म

केवीके इटावा के वैज्ञानिक डॉ. एमके सिंह व डॉ. वीवी जायसवाल ने बताया कि घरो में हवन के बाद राख को फेंक दिया जाता है। इसी से औषधीय भस्म तैयार की गई है। जिसका सफ़ाई की फसलों पर छिड़काव करने से कीट खत्म हो जाते हैं। यह किचन या रूफ गार्डनिंग में अधिक उपयोगी होगी। इकोसेफ एग्रीसाइंस ने सॉल्वल सेफ किट तैयार की है। जिसमें अलग-अलग पांच बैटरीया है, जो मिट्टी में डालने पर वास्तविक जीवाणु तैयार कर उसे उर्वरक बनाते हैं। इससे फसलों की पीठिकता में वृद्धि होती है।

पसंदीदा और वास्तविक मोती कर रहे तैयार

फतेहपुर के किसान मंगल सिंह मोती की खेती कर रहे हैं। वे लोगों की पसंद के अनुसार उसी डिजाइन व आकार में वास्तविक मोती तैयार कर रहे हैं। डेढ़ साल में मोती तैयार हो जाते हैं। वर्तमान में एक बीघा खेत में 2000 सीप की खेती कर रहे हैं, जिनसे करीब 4000 मोती मिलते हैं। वहीं, केवीके दिलीप नगर के प्रमारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि श्रीअन्न से पीथिक आहार तैयार किए जा रहे हैं। उपमा, बंसन, डोसा तैयार कर रहे हैं, जिसकी अधिक मांग है।



मशरूम की प्रजाति दिखाते प्रोफेसर।

की खरीदारी की।

बीज एवं प्रशोधन निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि मेले के पहले दिन गेहूँ, सरसों, मटर समेत विभिन्न फसलों के 18 लाख रुपये की बीज विक्री हुई है। वहीं, किसानों ने 25 हजार से अधिक के सब्जी पौध की खरीदारी

भी की है।

कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन मॉडल ने खींचा ध्यान: प्रदर्शनी में छत्रपति शाह जी महाराज विश्वविद्यालय के छात्रों ने कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन (कार्बन अवशोषण एवं भंडारण) से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किया। मॉडल के माध्यम

से मृदा में कार्बन के भंडारण और पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका को समझाया। जलवायु परिवर्तन को चुनौतियों के बीच टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और मृदा की गुणवत्ता बनाए रखने में कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सीएसए में लगे किसान मेले में छात्रों ने व्हे से तैयार किया गोलगप्पे का पानी, फतेहपुर के किसान ने तालाब में मोती की खेती की दी जानकारी

गोलगप्पे खाकर मिलेगा प्रोटीन... मोती की खेती से होंगे मालामाल

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। अब सेहत बनाने में गोलगप्पे भी मददगार बनेंगे। स्वादिष्ट गोलगप्पे के चटकारे न केवल आपके मुँह के स्वाद को बढ़ाएंगे बल्कि आपको भरपूर प्रोटीन भी देंगे। कॉलेज ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी इटावा के छात्र निखिल पटेल, साहिल पटेल ने गोलगप्पों में जाने वाले पानी को व्हे यानी छेने के पानी से तैयार किया है।

सीएसए में लगे किसान मेले में निखिल ने स्टॉल लगाकर इसका प्रदर्शन किया। निखिल कहते हैं कि व्हे से हमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन मिलता है। साथ ही गोलगप्पों में भरने में पनीर का इस्तेमाल किया गया है। इससे गोलगप्पे हेल्दी बन गए हैं। निखिल कहते हैं कि जल्द ही गोलगप्पों को भी मिलेट्स से बनाने की तैयारी है, जिससे यह पूर्ण रूप से हेल्दी बन जाएगा। इसके अलावा छात्रों ने पनीर और नारियल को वफ़ी भी बनाई।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में लगे तीन दिवसीय क्षेत्रीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का वृहत्प्रतिवार को शुभारंभ हुआ। मेले में करीब 150 स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि जहर मुक्त प्राकृतिक खेती करें। इससे मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरेगा और फसलों की पीठकता बढ़ेगी। विवि के कुलपति डॉ. संजोव गुप्ता ने मेले की रूपरेखा प्रस्तुत की। विधायक नौलिमा कटियार, प्रमुख सचिव कृषि एमकेशनमुखा सुंदरम, मंडलायुक्त, निदेशक कृषि त्र्यंबक मणि त्रिपाठी, उग्र योज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र समेत झांसी एवं चित्रकूट मंडल के मंडलायुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उपनिदेशक कृषि आदि मौजूद रहे। मेले में 18 लाख रुपये के वीज, 25 हजार से अधिक के सज्जी पौधे की बिक्री हुई।



पनीर से बने हेल्दी बतारो और कोकोनट वफ़ी के बारे में जानकारी देते निखिल पटेल, साहिल व अन्य। अमर उजाला



महिला किसान का सम्मान करते मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, विधायक नौलिमा कटियार। अमर उजाला

तनाव से होने वाले पेट दर्द को कम करेगा काला ईयर मशरूम

तनाव अधिक होने पर पेट में दर्द की परेशानी को काला ईयर मशरूम दूर करेगा। इसके सेवन से यह शिकायत खत्म होगी। इस मशरूम में 35 फीसदी प्रोटीन होने के साथ एमिनो एसिड अधिक और फेटी एसिड न के बराबर है। पोटेशियम की मात्रा अधिक होने से रक्त संचार अच्छा होने से बीपी की दिक्कत भी कम होगी।

कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन मॉडल ने खींचा ध्यान

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और मृदा की गुणवत्ता बनाए रखने में कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी को लेकर प्रदर्शनी में सीएसएएमयू के छात्रों ने कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन (कार्बन अवशोषण एवं भंडारण) से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किया। मृदा में कार्बन के भंडारण की भूमिका समझाई।

काजू के छिलके से बनाया डाई का रंग

टेक्सटाइल की छात्रा प्रियंशी सिंह ने काजू के छिलके, गुड़हल की पत्तियों, हरसिंगार के पौधे से डाई का रंग तैयार किया है। यह शरीर में नुकसान नहीं पहुंचाता और न ही धुलाई में निकलता है। कम्युनिटी साइंस की छात्रा खुरी गुप्ता ने गुलाब, लेमन, नीम-तुलसी से साबुन बनाया।

महिलाओं का सम्मान पर बैठने को नहीं मिली कुर्सी



सीएसए मैदान पर कृषि गोष्ठी में किसान सम्मानित की गई। अमर उजाला

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। सीएसए में रबी की फसलों की उन्नत तकनीक बताने के लिए आयोजित गोष्ठी में एक ओर महिला किसानों को सम्मानित किया गया तो दूसरी ओर महिलाओं को कुर्सीयां तक नसीब नहीं हुई। अव्यवस्थाओं का बोलबाला रहा। पीने का पानी भी शुरुआती दो घंटे में खत्म हो गया। पानी की तलाश में लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ा। झांसी, चित्रकूट, हमीरपुर समेत अन्य जिलों से आई महिलाओं को बैठने के लिए जगह नहीं मिली।

गो-आधारित प्राकृतिक खेती पर दें जोर : सीएसए में आयोजित संयुक्त मंडलीय रबी

उत्पादकता गोष्ठी-2026 में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों से गो-आधारित प्राकृतिक खेती अपनाने और रासायनिक उर्वरकों का संतुलित इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे प्रमुख सचिव कृषि एमके शम्भुगु सुंदरम ने मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित प्रयोग की सलाह दी। गोष्ठी में कानपुर, झांसी और चित्रकूटधाम मंडल के पांच जिलों के सीडीओ ने किसानों की समस्याएं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के सामने रखीं। हमीरपुर के सीडीओ ने रबी सीजन में खाद की कमी का मुद्दा उठाया। विधायक नौलिमा कटियार, महापौर प्रमिला पांडेय, कुलपति डॉ. संजोव गुप्ता समेत अधिकारी मौजूद रहे।

सब्जियों की फसल को कीटों से सुरक्षित रखेगी औषधीय भस्म

केवीके इटावा के वैज्ञानिक डॉ. एमके सिंह व डॉ. वीवी जायमयाल ने बताया कि घरी में हथुन के बाद राख को फेंक दिया जाता है। इसी से औषधीय भस्म तैयार की गई है। इसका सब्जियों की फसलों पर छिड़काव भर करने में कीट खत्म हो जाते हैं। यह क्रिचन या रूप गार्निश में अधिक उपयोगी होगी। इकोमैक एजीमाईम ने मॉडल सेफ फिट तैयार की है जिसमें अलग-अलग पांच पैकेटिंग है जो मिट्टी में डालने पर वास्तविक जीवाणु तैयार कर उसे उर्वरक बनाते हैं।

मोती की खेती कर रहे हैं फतेहपुर के मंगल

फतेहपुर के खग्रा के किसान मंगल सिंह 2018 में मोती की खेती कर रहे हैं। मंगल कहते हैं कि एक मोती को तैयार करने में कम से कम डेढ़ साल का समय लगता है। खेत में सोप में मोती के आकार का डिजिटन डालने हैं। डेढ़ साल में मोती तैयार हो जाता है। वर्तमान में एक बीघा खेत में 2000 सोप की खेती कर रहे हैं जिनसे 4000 मोती मिलते हैं।

तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का कृषि मंत्री ने फीता काट कर किया उद्घाटन

किसान मेला नहीं बल्कि किसान कुंभ जिसमें उत्तर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल- सूर्य प्रताप

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मेला प्रांगण में लगे सभी स्टालों का बारीकी से अवलोकन किया तथा कृषि प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन कृषि पद्धतियों एवं किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों की विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। किसानों के लिए किसान मेला नहीं बल्कि किसान कुंभ है

जिसमें की उत्तर भारत के आठ राज्यों के प्राकृतिक खेती करके जहर मुक्त खेती करें



किसान शामिल हुए हैं उन्होंने कहा कि किसान यहां से नई तकनीकी व नवाचार सीख करके अपने खेतों पर अवश्य प्रयोग करें। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों से अपील की कि

जिस की मृदा स्वास्थ्य में बदलाव होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। तथा

उन्होंने कृषि मंत्री एवं अन्य अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी ने दिया। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि आज प्रथम दिन मेले में लगभग साढ़े सात हजार से अधिक किसानों ने प्रतिबद्ध किया है इस अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि एम.के.शनमुगा सुंदरम, मंडलायुक्त के. विजयन पांडियन जी, निदेशक कृषि त्र्यंबक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र, कल्याणपुर विधान सभा से विधायक नीलिमा कटियार सहित कानपुर, झांसी एवं चित्रकूट मंडल के मंडलायुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उपनिदेशक कृषि, विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

द बैनर 16/10/2026

खेती होगी और लाभकारी, सीएसए के किसान कुंभ में जुटे अज्जदाता



द बैनर न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में गुरुवार को तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का शुभारंभ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी में लगे स्टालों का निरीक्षण कर आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी ली।

कृषि मंत्री ने कहा कि मेले में उत्तर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल हुए हैं। किसानों को नई

तकनीक अपनाकर खेती को लाभकारी बनाना चाहिए। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने प्राकृतिक खेती से मृदा स्वास्थ्य सुधारने पर जोर दिया। कुलपति संजीव गुप्ता ने मेले की रूपरेखा प्रस्तुत की। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी के मुताबिक, पहले दिन करीब 7,500 किसानों ने मेले में भाग लिया। इस दौरान विधायक नीलिमा कटियार समेत कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वर्ष : 14

अंक : 68

पृष्ठ : 12

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

शुक्रवार

16 अक्टूबर 2026

मूल्य : 3 रुपये

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें...

पब्लिक एशिया



@publicasia1989



@publicasiaofficial



@publicasia



@publicasialive

RNI No. :- UPHIN/2013/52076

सीएसए में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का हुआ आगाज

कृषि मंत्री ने फीता काट कर किया उद्घाटन

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)।

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मेला प्रांगण में लगे सभी स्टालों का बारीकी से अवलोकन किया तथा कृषि प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन कृषि पद्धतियों एवं किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों की विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की।

कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। किसानों के लिए ये किसान मेला नहीं बल्कि किसान कुंभ है जिसमें की उत्तर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसान यहां से नई तकनीकी व



नवाचार सीख करके अपने खेतों पर अवश्य प्रयोग करें। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों से अपील की कि प्राकृतिक खेती करके जहर मुक्त खेती करें जिससे मृदा स्वास्थ्य में बदलाव होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कृषि मंत्री एवं अन्य अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉ. वी के त्रिपाठी ने दिया। डॉ. त्रिपाठी

ने बताया कि आज प्रथम दिन मेले में लगभग साढ़े सात हजार से अधिक किसानों ने प्रतिबद्ध किया इस अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि एम.के. षण्मुगा सुंदरम, मंडलायुक्त के. विजयन पांडियन, निदेशक कृषि त्यंबक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र, कल्याणपुर विधान सभा से विधायक नीलिमा कटियार सहित कानपुर, झांसी एवं चित्रकूट मंडल के मंडलायुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उपनिदेशक कृषि, विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अमृत विचार 16/10/2026

पनीर जैसी कश्मीर कलाड़ी, 15 दिन नहीं होती खराब

सीएसए विवि के किसान मेले में ड्रोन ने जीता दिल, कराता है कमाई, कई राज्यों के किसान आए, 175 स्टाल लगाए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले की गुरुवार को शुरुआत हुई। मेले में देश के 8 राज्यों के किसानों ने शिरकत की। इस दौरान कृषि संबंधित स्टार्टअप ने आकर्षित किया। मेले में कश्मीर की पारंपरिक कलाड़ी ने सभी का ध्यान खींचा। मेले में कुल 175 स्टाल लगे।

किसान मेले की शुरुआत कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने की। उन्होंने प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन कृषि पद्धतियों एवं किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों की विशेषज्ञों से जानकारी हासिल की। समारोह में कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना चाहिए। खेती को अधिक



स्टाल पर पहुंचे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।



किसानों का मददगार ड्रोन दिखाया गया।



कृषि उत्पादों पर चर्चा की।

08

राज्यों के किसानों ने शिरकत की

18

लाख रुपये के मेले में बिके बीज

25

हजार रुपये की सब्जी के पौधे लिए

लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों से अपील की है

किसानों की अतिरिक्त कमाई

■ मेले में सीएसएएमयू के छात्रों की ओर से बनाए गए ड्रोन का भी प्रदर्शन हुआ। छात्रा प्रज्ञा मिश्रा, आर्युष कटियार व प्रवीण सिंह ने बताया कि उनका बनाया गया ड्रोन एक खास सॉफ्टवेयर के जरिए किसानों की अतिरिक्त आय करता है। इस ड्रोन की सहायता से किसान के खेत की गुणवत्ता मापी जाती है। इसके बाद उसे इंडियन कार्बन व्यूरो से एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस प्रमाण पत्र की सहायता से किसान कार्बन उत्सर्जन करने वाली इकाइयों से आय हासिल करने के लिए प्रमाणित हो जाता है।

कि प्राकृतिक खेती करके जहर मुक्त खेती करें जिससे मुदा स्वास्थ्य में बदलाव होगा। कुलपति संजीव गुप्ता व निदेशक प्रसार डॉ वीके त्रिपाठी ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव कृषि एमके शनमुगा

कश्मीर के उत्पादों की झलक

■ शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्टॉल में डॉ. ललित उपाध्याय और डॉ. अजय कुमार ने बताया कि उनके स्टॉल में सबसे अधिक आकर्षण पनीर जैसी कलाड़ी के प्रति रहा। बताया कि इस कलाड़ी को उधमपुर से जीआई टैग मिला हुआ है। इसकी खास बात यह है कि यह 15 दिन से एक महीने तक खुले में रखने पर भी खराब नहीं होती। इसकी वजह बनाते समय इसका पानी का सुखाया जाना है। स्टॉल में कश्मीर के अन्य उत्पाद जैसे बांस के हैंडीक्राफ्ट ज्वेलरी, हल्दी के पते की वॉच व मसाले शामिल रहे।

सुंदरम, मंडलायुक्त कानपुर के. विजयन पांडियन, निदेशक कृषि अंबक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश

बीज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र, विधायक नीलिमा कटियार सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, शुक्रवार
16 अक्टूबर, 2026
अश्विन मास शुक्ल पक्ष 6
सं. 2083 वि.
वर्ष 38, अंक - 59, पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्र भारत



epaper : epaper.swatantrabharat.net

खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना सरकार की प्राथमिकता

- सीएसए में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

- पहले दिन सात हजार से अधिक किसानों ने किया प्रतिभाग
स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का शुभारंभ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया। उन्होंने मेला प्रांगण में लगे सभी स्टालों का बारीकी से अवलोकन किया तथा कृषि प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन कृषि पद्धतियों एवं किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों की विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। किसानों के लिए किसान मेला नहीं, बल्कि किसान कुंभ है, जिसमें की उत्तर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसान यहां से नई तकनीकी व नवाचार



सीख करके अपने खेतों पर अवश्य प्रयोग करें। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों से अपील की कि प्राकृतिक खेती करके जहर मुक्त खेती करें जिससे कि मृदा स्वास्थ्य में बदलाव होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कृषि मंत्री एवं अन्य अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी ने

दिया। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि आज प्रथम दिन मेले में लगभग साढ़े सात हजार से अधिक किसानों ने प्रतिबद्ध किया है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि एम.के.शनमुगा सुंदरम, मंडलायुक्त के विजयन पांडियन, निदेशक कृषि त्र्यंबक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक आशुतोष मिश्र, विधायक नीलिमा कटियार सहित कानपुर, झांसी एवं चित्रकूट मंडल के मंडलायुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उपनिदेशक कृषि, विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लोक जनसंदेश

वर्ष: 12

अंक: 136

पृष्ठ: 08

कानपुर महानगर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

मूल्य : ₹ 2.00

सीएसए में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का हुआ आगाज, कृषि मंत्री ने फीता काट कर किया उद्घाटन

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले का प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी ने फीता काट कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने



मेला प्रांगण में लगे सभी स्टालों का बारीकी से अवलोकन किया तथा कृषि प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन कृषि पद्धतियों एवं किसानों के लिए उपयोगी नवाचारों की विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी एवं समृद्ध बनाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। तथा किसानों के लिए किसान मेला नहीं बल्कि किसान कुंभ है जिसमें की उत्तर भारत के आठ राज्यों के किसान शामिल हुए

हैं उन्होंने कहा कि किसान यहां से नई तकनीकी व नवाचार सीख करके अपने खेतों पर अवश्य प्रयोग करें। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने किसानों से अपील की कि प्राकृतिक खेती करके जहर मुक्त खेती करें जिस की मृदा स्वास्थ्य में बदलाव होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय किसान मेले की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। तथा उन्होंने कृषि मंत्री एवं अन्य अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर वी के त्रिपाठी ने दिया।

डॉ त्रिपाठी ने बताया कि आज प्रथम दिन मेले में लगभग साढ़े सात हजार से अधिक किसानों ने प्रतिबद्ध किया है इस अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि श्री एम.के.शनमुगा सुंदरम जी, मंडलायुक्त कानपुर श्री के. विजयन पांडियन जी, निदेशक कृषि श्री त्र्यंबक मणि त्रिपाठी जी, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक श्री आशुतोष मिश्र जी, कल्याणपुर विधान सभा से विधायक श्रीमती नीलिमा कटियार जी सहित कानपुर, झांसी एवं चित्रकूट मंडल के मंडलायुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, उपनिदेशक कृषि, विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।